न्यायालय, जिला दण्डाधिकारी, पटना।

(जिला शस्त्र शाखा)

-: आदेश :-

26-03-2013 शस्त्र अपील वाद संख्या-89/2011 में आवेदक **श्री सुधीर कुमार**, पिता-स्व0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह, ग्राम+पो0+थाना-बेऊर, जिला-पटना से प्राप्त एक डी0बी0बी0एल0 गन हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति आवेदन पर शस्त्र अनुज्ञप्ति वाद संख्या-09-930/2008 में पारित आदेश के विरूद्ध आयुक्त न्यायालय (शस्त्र अपील) वाद संख्या-89/2011 में दिनांक-31.12.2011 को पारित आदेश के आलोक में पुनर्विचार हेतु यह वाद प्रारम्भ किया गया।

आवेदक उपस्थित। आवेदक द्वारा बताया गया कि उनके पास दो एकड़ भूमि बेऊर के नजदिक है तथा उनका अपना मार्केटिंग काम्प्लेक्स एवं कम्युनिटी हॉल है। आवेदक से सुरक्षा भय के बिन्दु पर पृच्छा किए जाने पर कोई स्पष्ट कारण नहीं बताया गया।

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त पत्रांक-1244/गो0, दिनांक-17.10.2012 का अवलोकन किया गया। आवेदक के एक डी0बी0बी0एल0 गन अनुज्ञप्ति आवेदन पत्र जाँचोपरान्त अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, फुलवारीशरीफ के माध्यम से मूल में अग्रसारित किया गया है। वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना के पत्र के साथ संलग्न थानाध्यक्ष, बेऊर के प्रतिवेदन का अवलोकन किया गया। समर्पित प्रतिवेदन की कंडिका-10 अन्तर्गत आवेदक को कोई विशेष सुरक्षा भय होने की बात प्रतिवेदित नहीं की गयी है। आवेदक को वार्षिक आय संबंधी कोई भी कागजात प्रस्तुत नहीं किया गया। साथ हीं थानाध्यक्ष द्वारा यह भी प्रतिवेदित किया गया है कि बुलाये जाने पर आवेदक उपस्थित नहीं हुए, जिस कारण आवेदन का पूर्ण सतयापन नहीं हो सका। आवेदक के पिता को पूर्व से एक डी0बी0बी0एल0 गन अनुज्ञप्ति सं0-15/88 निर्गत है।

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र संकल्प सं0-V-11016/16/2009, शस्त्र दिनांक-31.03.2010 की कंडिका-II में एन0पी0बोर शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत करने के संबंध में निदेश अंकित है, जो निम्नवत है :-

The arms licences for acquisition of NPB weapons are considered by the State Government/DM concerned. At present, there are no norms for grant of NPB weapons and some State Governments may be issuing arms licences liberally.

कंडिका-II की उप कंडिका-b तथा e निम्नवत है :-

b) No licence may be granted without police verification, which will include report on i) antecedents of the applicant, ii) assessment of the threat, iii) capability of the applicant to handle arms, and iv) any other information which the police authority might consider relevant for the grant or refusal of licence.

e) The licensing authority shall be obliged to take into account the report of police authorities called for under section 13 (2) before granting arms licenses and no arms licence may be issued without police verification.

वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, आवेदक द्वारा उपस्थित होकर रखे गये तथ्यों, गृह मंत्रालय; भारत सरकार के पत्र संकल्प सं0-V-11016/16/2009, शस्त्र दिनांक-31.03.2010 में निहित निदेश एवं अभिलेख में संलग्न

कागजातों के सूक्ष्मता पूर्वक अवलोकन के पश्चात अधोहस्ताक्षरी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि आवेदक श्री सुधीर कुमार को सुरक्षा के बिन्दु पर कोई विशेष सुरक्षा भय/आशंका नहीं है तथा उन्हें एक डी0बी0बी0एल0 गन हेतु शस्त्र अनुज्ञप्ति निर्गत किए जाने का कोई यथेष्ट कारण नहीं है।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 3, शस्त्र नियम 1962 में निहित शक्तियों, वरीय पुलिस अधीक्षक, पटना से प्राप्त प्रतिवेदन, तथा गृह मंत्रालय; भारत सरकार के पत्र संकल्प सं0–**V-11016/16/2009**, शस्त्र दिनांक–31.03.2010 में निहित निर्देश एवं आवेदक द्वारा रखे गये तथ्यों– के आलोक में सम्यक विचारोपरान्त आवेदक **श्री सुधीर कुमार,** पिता–स्व0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह, ग्राम+पो0+थाना–बेऊर, जिला–पटना के आवेदित एक डी0बी0बी0एल0 गन अनुज्ञप्ति आवेदन–पत्र को **अस्वीकृत** किया जाता है।

शस्त्र अपील वाद की कार्रवाई समाप्त की जाती है।

लेखापित एवं संशोधित।

26/03/13

जिला दण्डाधिकारी,
पटना।

26/03/13

जिला दण्डाधिकारी,
पटना।